राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी

'भारतीय ज्ञान परम्परा का लोक-सांस्कृतिक पक्ष'

(Socio-Cultural Aspects of Indian Knowledge Systems)

13-15 फरवरी, 2026

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद् (ICSSR), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

आयोजक

संस्कृत विभाग

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

(राष्ट्रीय मूल्याङ्कन परिषद् से A++ श्रेणी प्रत्यायित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

सङ्गोष्ठी के उप-विषय

* वैदिक वाङ्मय एवं वेदाङ्गों की लोक संस्कृति
* महाकाव्य एवं पुराण का लोक सांस्कृतिक पक्ष
* वैदिक एवं अवैदिक दर्शनशास्त्र में लोक संस्कृति
* नाटकों एवं उपन्यासों में लोक संस्कृति
* योग एवं आयुर्वेद में निहित लोक संस्कृति के सूत्र
* धर्मशास्त्र वाङ्मय एवं लोक संस्कृति
* व्याकरण एवं भाषादर्शन में लोक संस्कृति
* समकालीन भारतीय दर्शन में लोक संस्कृति
* अर्थशास्त्र एवं नीतिशास्त्र में लोक संस्कृति के सूत्र
* गणित, खगोलशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र का लोक सांस्कृतिक पक्ष
* सङ्गीतशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र में प्रतिबिम्बित लोक परम्पराएँ
* आगम साहित्य एवं तन्त्रयुक्तियों का लोक सांस्कृतिक पक्ष
* अष्टादश विद्यास्थानों में लोक संस्कृति का सम्प्रत्यय
* भारतीय अध्यात्म का लोक सांस्कृतिक पक्ष
* पालि-प्राकृत वाङ्मय का लोक सांस्कृतिक पक्ष
* आधुनिक संस्कृत रचनाओं का लोक सांस्कृतिक अवबोध
* संस्कृतेतर विषयों/भाषाओं का लोक सांस्कृतिक पक्ष
* चौंसठ कलाओं में प्रतिबिम्बित लोक संस्कृति

सङ्गोष्ठी के उपविषयों और सम्बद्ध विषयों के अन्तर्गत शोधपत्र आमन्त्रित किये जाते हैं। पूर्णरूप से लिखित आलेख की वर्ड-प्रति sanskritseminar@jmi.ac.in पर ISBN युक्त ग्रन्थ में प्रकाशनार्थ 31 जनवरी 2026 तक भेजे जा सकते हैं। चयन समिति द्वारा मूल्याङ्कित **तीन श्रेष्ठ शोधपत्रों के लिए पुरस्कार** होंगे, जिनकी घोषणा और वितरण सङ्गोष्ठी के समापन सत्र में किया जाएगा।

* **सङ्गोष्ठी का माध्यमः** – संस्कृत, हिन्दी अथवा अङ्ग्रेजी

सम्पर्क सूत्र

sanskritseminar@jmi.ac.in

अनुराग नारायण पाठक, शोधच्छात्र : 9315063187, इमरान खान, शोधच्छात्र : 6395413525, अर्जुन, शोधच्छात्र : 7055091220

सङ्गोष्ठी स्थल : संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (शताब्दी द्वार सं. 13 से प्रवेश), नई दिल्ली (समीपस्थ मेट्रो स्टेशन-सुखदेव विहार/ जामिया मिल्लिया इस्लामिया)